सर्पमित्रों की राय

कंपकंपी छुड़ाने वाले सांप वास्तव में होते हैं मनुष्य के दोस्त

वरुड़,संवाददाता, 26 जुलाई- सांप का नाम सुनकर ही हमारे शरीर में कंपकंपी छूट जाती है. इसका कारण यह है कि सर्प का एक दंश मनुष्य को पृथ्वी लोक से स्वर्गलोक पहुंचा सकता है. हालांकि इसके लिए सांप का विषैला होना जरूरी है, लेकिन कितने सांप विषैले होते हैं, इसकी जानकारी हासिल न करते हुए हम प्रत्येक सांप को विषैला समझकर डरते हैं. जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल भिन्न है. यदि हम अपने आसपास पाए जाने वाले सांपों के बारे में सही जानकारी हासिल करने और उनके बारे में गलतफहमियां दूर कर लें, तो हम पाएंगे कि पर्यावरण को संतुलित रखने वाले सांप हमारे अच्छे मित्र हैं.

नागपंचमी के दिन जिन सांपों की पूजा की जाती है, वही सांप अन्य दिन दिखाई देने पर हम बड़ी निर्दयता से उन्हें मार डालते हैं. इसके कारण सांपों की संख्या दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है, लेकिन वरुड़ तहसील इसका अपवाद है. सतपुड़ा पर्वत के जंगलों और खेतों में बड़े पैमाने पर अलग-अलग प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं. विषैले सांपों में मुख्य रूप से मण्यार/दांडेकर (कॉमन क्रेट), नाग (स्पेक्टकल्ड कोबरा), घोणस टवऱ्या, पेटरी मण्यार अथवा आग्या मण्यार (सप्तरंगी सांप), तणसर्प या चापड़ा (बांबू पिटवायपर), फुरसे (सॉस्केल्डवाईपर) आदि शामिल हैं. कम विषैले सांपों में वाईन स्नेक (हरणटोल), मांजऱ्या, फोर्स्टन मांजऱ्या आदि प्रमुख हैं. इन सांपों के डसने पर आदमी की मौत नहीं होती केवल चक्कर आता है. विषहीन सांपों में अजगर, धामण, डुरक्या घोणस (मांडवल), पाणदिवट (धोंडया), विरोल (तास्या), नानेटी (वास्या), गवत्या, धूल नागिन, तस्कर, रुखई (वेल्या), कवडया, पटेरी कवडया, कुकरी, रातसर्प पोवला आदि शामिल हैं. ये सांप राज्यभर में सभी स्थानों पर पाए जाते हैं. ग्रीष्म ऋतु में बिल में रहने वाले सांप बारिश में बाहर निकल आते हैं. यही उनके प्रजनन का काल होता है. आमतौर पर जून, जुलाई महीने में विषैले मण्यार सांप अधिक दिखाई देते हैं. विषैले सांपों में विष के दो प्रकार हैं. इनमें से न्यूरोटॉक्सिक व्हेनम विष मण्यार, पेटरी मण्यार, नाग जैसे सांपों में पाया जाता है. यह विष शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम को आघात पहुंचाता है. यही कारण है कि इन सांपों के काटने पर मस्तिष्क और हृदय काम नहीं करता और मनुष्य की मौत हो जाती है. हिमोटॉक्सिस व्हेनम विष घोणस, बांबू पिटवायपर, सॉ स्केल्डवाईपर में पाया जाता है. यह विष रक्त कोशिकाओं को डैमेज करता है. खून को पानी बना देता है. इसके कारण रक्त में आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाती है और जिस व्यक्ति को सर्पदंश हुआ रहता है उसकी मृत्यु हो जाती है. पॉलिवैलेंट दवा दोनों प्रकार के सर्पदंश में असरकारक है, लेकिन जब पॉलिवैलेंट दवा काम नहीं करती अथवा जहर की मात्रा अधिक रहती है तब मोनोवैलेंट दवा दी जाती है. यह दवा महंगी है और कम मात्रा में उपलब्ध है. अधिकांश सरकारी अस्पतालों में मोनोवैलेंट दवा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ती है. फिलहाल तहसील के सभी अस्पतालों में पॉलिवैलेंट दवा उपलब्ध बताई जाती है. विषैले सांपों की संख्या उंगलियों पर गिने जाने लायक है. इनकी सही ढंग से पहचान कर उसके अनुसार इलाज कराने पर विषैले सांपों के डसने के बावजूद जान बचाई जा सकती है. सच्चाई यह है कि सांप के काटने के बाद अक्सर लोग तांत्रिकों के पास इलाज करा कर बेवजह वक्त जाया करते हैं. वरुड़ तहसील के कुछ आदिवासी बहुल और दुर्गम इलाकों में स्थित गांवों में सर्पमित्र मंडल के माध्यम से सांपों के प्रति जनजागृति की जा रही है. लेकिन इन कार्यों के लिए उनके पास पर्याप्त मानवबल नहीं है. जनजागृति के लिए कभी-कभी सरकारी विभाग भी पहल करते हैं. इन सब के बावजूद हर साल राज्य में सैंकड़ों लोगों की जान सर्पदंश के कारण चली जाती है. पर्यावरण की रक्षा करने वाले सांपों को जान से मार देना उनसे बचने का उपाय नहीं है. इसके लिए सर्प मित्रों से संपर्क करना सबसे अच्छा विकल्प है. सर्पमित्रों का कहना है कि स्कूल के विद्यार्थियों से लेकर दुर्गम इलाकों में रहने वाले अशिक्षित लोगों को सांपों के बारे में जानकारी देकर गलतफहमियां दूर करना ही बेहतर उपाय है.

दूध पिलाने से सांपों की मौत हो सकती है

नागपंचमी पर्व के दिन तहसील के किसान खेतों में काम बंद रखते हैं. सभी स्थानों पर नागदेवता की पूजा की जाती है. कुछ लोग सांपों को दूध भी पिलाते हैं. हालांकि उन्हें यह पता नहीं होता कि सांपों को पिलाया गया दूध धमनियों में जाने से उनकी मौत हो सकती है. इसलिए सर्पमित्रों ने सांपों को दूध नहीं पिलाने की अपील की है. कुछ आदिवासी इलाकों में अंधश्रद्धा के कारण किसी-किसी के शरीर में नागदेवता के आने का मामला भी होता है.

नाग के काटने पर भी बच सकती है जान

सर्पमित्र तथा प्रा. अश्वपाल वानखड़े ने बताया कि वरुड़ ग्रामीण अस्पताल, मोर्शी उपजिला अस्पताल, जिला ग्रामीण अस्पताल सहित अन्य तहसीलों के ग्रामीण अस्पतालों में एंटी स्नेक व्हेनम उपलब्ध है. यह दवा उपलब्ध नहीं होने पर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई करने का सरकार का आदेश है. विषहीन सांप ही नहीं बल्कि कोबरा नाग के काटने पर भी इस दवा के माध्यम से जान बचाई जा सकती है. उन्होंने सांप काटने पर व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाकर इलाज कराने की सलाह दी है.

सांपों को दूर रखने के लिए ये उपाय करें

जिस स्थान पर कूड़ा-कर्कट रहता है, कीड़े-मकोड़े रहते हैं, उस स्थान पर सांप आता है. इसलिए यदि आप चाहते हैं कि आपके घर के आसपास सांप न आए तो आप अपने पूरे परिसर को हमेशा साफ-सुथरा रखें. कूड़ा-कर्कट वाले स्थान पर कीड़े पैदा न हो, इसके लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें. मकान की दीवारों में सुराख न हो, बाथरूम का पाइप लंबा और फटा हुआ नहीं होना चाहिए. मकान परिसर में यदि कुआं है तो कुएं के पास खिड़की नहीं होनी चाहिए. ये उपाय करने से घर में सांप नहीं आएंगे. यह कहना है **सर्पमित्र तथा शिक्षक योगेश्वर खासबागे का.**

सभी अस्पतालों में एएसवी उपलब्ध

वरुड़ ग्रामीण अस्पताल के **वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. अमोल पोतदार** ने बताया कि वरुड़ के ग्रामीण अस्पताल सहित इलाके के पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी स्नेक व्हेनम (एएसवी) उपलब्ध हैं. इस दवा के साथ सलाइन चढ़ाना पड़ता है इसलिए वैद्यकीय अधिकारी की जरूरत पड़ती है. अस्पताल में ले जाने की जरूरत पड़ने पर 108 नंबर की एम्बुलेंस में भी यह दवा उपलब्ध रहती है. सर्पदंश होने पर शीघ्र यह दवा देने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है.

धामन के बारे में हैं गलतफहमियां

सर्पमित्र दीपक खंडेलवाल का कहना है कि जमीन पर और पेड़ पर रहने वाला धामन सांप सर्वाधिक फुर्तीला होता है. इस सांप को लेकर ऐसी गलतफहमियां हैं कि यह सांप पूंछ से प्रहार करता है. इसकी पूंछ में कांटा होता है. इसके पूंछ मारने पर पैर सड़ जाता है और शरीर खराब होकर मनुष्य की मौत हो जाती है. जबकि वास्तव में ऐसा कुछ नहीं है. धामन की पूंछ में कांटा नहीं होता. उसने यदि काट भी लिया तो कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि यह विषहीन सांप है. सबसे अधिक मात्रा में चूहे खाने वाला यह सांप किसानों का बहुत अच्छा दोस्त है.

90 फीसदी सांप विषैले नहीं होते

सर्पमित्र और नायब तहसीलदार कमलाकर देशमुख का कहना है कि सभी जगह दिखाई देने वाले सांपों में से अधिकांशतः विषहीन ही होते हैं. लेकिन कौनसा सांप विषैला है और कौनसा बिना विष वाला, इसकी जानकारी नहीं होने के कारण ग्रामीण इलाकों के लोग सर्पदंश होने पर तांत्रिकों के पास दौड़ कर जाते हैं. मुख्यतः 90 फीसदी सांप विषहीन होने के कारण ही तांत्रिक जड़ीबूटी वाले और वैद्य सांपों का जहर उतारने का दावा करते हैं. नागरिकों का भी उन पर विश्वास होता है और इसी के कारण उनकी दूकानदारी चलती है.

त्यौहारों पर बारिश का होना शुभ संकेत

नागपंचमी की पूर्व संध्या पर 'फुहारों की झड़ी'

सदियों से चली आ रही मान्यता

प्रतिनिधि, 26 जुलाई

अमरावती- जमीन से आसमान तक प्रकृति कण-कण में रची-बसी है. प्रकृति से हमारी धर्म संस्कृति और सभ्यता जुड़ी है. प्रकृति झूले पर झूलने वाली हमारी संस्कृति का मूल आधार ऋतुचक्र है. हालांकि तीनों ऋतु महत्वपूर्ण है, मगर वर्षाऋतु सबसे महत्वपूर्ण है. झमाझम बारिश, तेज हवाएं, रिमझिम फुहारों से मौसम में जो परिवर्तन होता है वह स्वर्ग की अनुभूति देता है. मौसम विभाग और विज्ञान की परिभाषाओं से हटकर सदियों से चली आ रही मान्यता के अनुसार त्यौहारों पर बारिश का होना शुभ संकेत माना जाता है. नागपंचमी की पूर्व संध्या पर रिमझिम फुहारों की झड़ी ने शुभ लक्षण का एहसास करवाया है. इससे शुभ क्या होगा कि त्यौहार का स्वागत स्वयं वर्षा कर रही है. अच्छी खेती और बारिश की कामना करने वाले सभी के लिए यह एक अच्छा शगुन माना जाता है.

बदल गया ऋतुचक्र

आमतौर पर सावन माह शुरू होने के बाद त्यौहारों की लड़ियां शुरू होती हैं. उसके पूर्व 7 जून से मृग नक्षत्र के साथ मानसून के आगमन का इंतजार शुरू होता है. वर्षा ऋतु के 1 जून से 30 सितम्बर तक 4 माह माने गए हैं. मगर विगत 4-5 वर्षों से मानसून कभी समय पर नहीं बरसा. इस बार भी 7 जून की बजाए जुलाई के दो सप्ताह बाद मानसून की आहट मिली. ऋतु चक्र मानों बदल गया है. मगर हमारी सदियों पुरानी मान्यता का एहसास प्रकृति हमें सदैव करवाती आ रही है.

कुछ त्यौहारों पर बारिश निश्चित

हमारे बड़े बुजुर्गों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब-जब त्यौहारों पर बारिश होती है तो शुभ संकेत माना जाता है. गुरुवार, 27 जुलाई को नागपंचमी की पूर्व संध्या पर रिमझिम फुहारों की झड़ी ने फिजा बदल डाली. आमतौर पर हर नागपंचमी को बारिश का होना निश्चित माना जाता है. इस बार भी बारिश ने बरस कर शुभ संकेत दिए हैं.

शरारती बूंदों का संगीत

प्रकृति और ईश्वरीय सौगात को धर्म संस्कृति में अनन्य साधारण महत्व है. प्यास से व्याकुल धरती पर बरसने वाली पानी की बूंदें हमें जीवन सृजन का संदेश देती हैं. चराचर सृष्टि की प्राणदाता वर्षा छप-छप करते तेज हवा के झोके के साथ बरसती है तो हमें शरारती बूंदों का मधुर संगीत सुनाती है.

बारिश का स्वागत

शीतऋतु और ग्रीष्मऋतु की अपेक्षा वर्षाऋतु का न केवल बेसब्री से इंतजार किया जाता है बल्कि उसका बाहें फैलाकर स्वागत भी किया जाता है. यही एक ऋतु ऐसी है जिसमें बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की तरह ताली बजाकर अपनी सारी मासूमियत बाहर निकाल कर वर्षा में भीगने का आनंद उठाते हैं. त्यौहारों का स्वागत करने वाली वर्षा शुभ संकेत तथा हमारी मान्यताओं को अधोरेखित करती है.

आस्था के साथ उत्साह

नागपंचमी के बाद, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, रक्षा बंधन, काजल तीज, गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव जैसे त्यौहारों पर बारिश होना हर वर्ष का समीकरण बन चुका है. त्यौहारों के दिनों बरसने वाली बारिश को न केवल विशेष महत्व है बल्कि शुभ संकेत माने जाते हैं. काजल तीज पर महिलाएं और लड़कियां नए वस्त्र और गहने धारण कर पूजा विधि करती हैं. इस दिन भी बरसने वाली बारिश शुभ मानी जाती है. ऐसे त्यौहारों पर आनेवाली बारिश का लोग आस्था व उत्साह के साथ स्वागत करते हैं.

सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता रहेगा लायन्स क्लब - झा

प्रतिनिधि, 26 जुलाई

वर्धा - पूरी दुनिया में 200 से अधिक देशों में लायन्स क्लब सेवा कार्यों में अग्रणी है और पिछले सौ सालों से जिस तरह कार्य किया जा रहा है, उसी तरह आगे भी यह सेवाकार्य अविरल रूप से जारी रहेगा. उक्त प्रतिपादन लायन्स प्रांत 3233 के प्रथम उपप्रांतपाल और इटारसी (मध्यप्रदेश) के प्रख्यात समाजसेवी अनिल झा ने किया.

लायन्स क्लब वर्धा के 58वें पदग्रहण समारोह में पदग्रहण अधिकारी के रूप में अनिल झा उपस्थित थे. कार्यक्रम में मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन तथा पूर्व प्रांतपाल राजे मुधोजी भोसले, 2017-18 के प्रांतपाल प्रतिभा अदलखिया, नगराध्यक्ष अतुल तराले, पूर्व प्रांतपाल डॉ. विनोद अदलखिया, रिजन चेअरमैन धामणगांव एड. रमेश चांडक, जोन चेअरपर्सन और क्लब के पूर्व अध्यक्ष नौशाद बक्श, अध्यक्ष राजेश पडोले, लायनेस अध्यक्ष कविता पांडे, लिओ अध्यक्ष रश्मी पशीने, लायन सचिव शुभदा रुद्रकार, क्लब की प्रथम महिला रेखा पडोले, लायनेस सचिव फरीदा सैफी, लायन्स क्लब के कोषाध्यक्ष जीतेंद्र कोठारी, लायनेस कोषाध्यक्ष निलोफर बक्श, निवर्तमान सचिव प्रदीप पशीने, कोषाध्यक्ष परेश शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

लायन्स क्लब की परंपरा के अनुसार पीआरओ रोहित लोहिया ने ध्वज वंदना का वाचन किया. रिजन चेअरपर्सन ने क्लब में शामिल हुए नए सदस्यों आकाश बावने, सुचिता बावने, सुरेंद्र महाकालकर, माधुरी महाकालकर, सुरेंद्र सिंह, राजकुमार देशमुख, विवेक टिबड़ेवाल, पल्लवी टिबड़ेवाल, डॉ. विवेक चकोले, डॉ. स्वरूपा चकोले, सचिन बुटे, शुभांगी बुटे, प्रवीण हिवरे, योगिता हिवरे, डॉ. विलास ढगे, डॉ. दीपा ढगे, रमेश हागे को विधिवत क्लब की सदस्यता की शपथ दिलाई. पदग्रहण अधिकारी अनिल झा ने क्लब के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई. लिओ अध्यक्ष रश्मी पशीने और लायनेस अध्यक्ष कविता पांडे ने इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किए.

क्लब की ओर से आंचल खंडाते, प्रणाली सराड़े, इंझाला, सरिता सोनेकर आदि छात्राओं को साइकिल भेंट की गई. 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले क्लब के सदस्यों के बच्चों अदिति राजेश पडोले, प्रभु विजय सत्यम, प्रथम पंकज शर्मा आदि का इस मौके पर सत्कार किया गया.

कार्यक्रम में कृष्णसिंह पडोले का शॉल व श्रीफल देकर अतिथियों के हाथों सत्कार किया गया. इसी तरह खेलों में विशेष सफलता हासिल करने वाले क्लब के वरिष्ठ सदस्य गिरीश उपाध्याय का भी अभिनंदन किया गया. वर्धा के प्रख्यात आर्किटेक्ट मकरंद पाठक ने अपनी विशेष वक्तृत्व शैली में नई कार्यकारिणी का स्वागत किया. समारोह में उपस्थित होशंगाबाद के अग्रवाल प्रांतीय कोषाध्यक्ष अजय वाणे, प्रांतीय उप पीआरओ शिवकुमार कोठारी, नागपुर कॉसमॉस क्लब के अध्यक्ष अतुल ढगे, गणेश गरुड़, डॉ. दिलीप तालेवार, रोटरी क्लब गांधी सिटी वर्धा की अध्यक्ष संगीता इंगले, वरिष्ठ नागरिक अरुण लेले, रवि शेंडे, डॉ. ओम, रमेश केला, योगेंद्र फत्तेपुरिया आदि का क्लब की ओर से सत्कार किया गया.

नगराध्यक्ष अतुल तराले, पूर्व प्रांतपाल डॉ. विनोद अदलखिया, प्रांतपाल प्रतिभा अदलखिया ने समारोह को संबोधित करते हुए लायन्स की ओर से किए जाने वाले सेवाकार्यों पर प्रकाश डाला. राजे भोसले ने लायन्स क्लब वर्धा के कार्यों की सराहना करते हुए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया. उन्होंने पिछले वर्ष के मल्टीपल प्रांत अवॉर्ड विजेताओं नौशाद बक्श, लायनेस प्रांताध्यक्ष शुभदा रुद्रकार, सचिव डॉ. माधुरी वाणे तथा कोषाध्यक्ष रेखा पडोले के योगदान की सराहना की. कार्यक्रम का संचालन क्लब के वरिष्ठ सदस्य प्रकाश कटारिया और डॉ. माधुरी वाणे ने किया. आभार प्रदर्शन सचिव शुभदा रुद्रकार ने किया.

कार्यक्रम की सफलता के लिए अंकुश कन्नौजवार, डॉ. नितिन भोला, मुस्तफा सैफी, हुसैन अली हुसैन, जमलाना हुसैन, नेहा कोठारी, मंजूषा लोहिया, अर्चना शर्मा, निखिल रोकड़े, पूजा रोकड़े, प्रशांत पांडे, विनय कुबड़े, मोहन जुमड़े, श्रद्धा जुमड़े, विलास जोशी, अमित भुरे, उमेश सूर्यवंशी, ऋतुराज चूड़ीवाले, उल्हास वाघ, डॉ. अनुज वर्मा, डॉ. नेहा वर्मा, डॉ. अमोल ठाकरे, डॉ. किशोर फाले, डॉ. सारंग गोड़े, डॉ. रश्मी गोड़े, सचिन धांदे, फैजल मेमन, नवीन चांडक, ओंकार धावड़े, मुस्तफा इसाजी, प्रवीण लोहिया, महेश भाटिया, आकाश दाते, अभिजीत श्रापणे, चंद्रशेखर इंगोले, हेमलता इंगोले, लता कटारिया आदि ने अथक प्रयास किए.

लायन्स क्लब वर्धा का पदग्रहण समारोह संपन्न

वर्धा : 58वें पदग्रहण समारोह में कार्यक्रम में मंचासीन लॉयन्स क्लब के सदस्यगण.

छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज

प्रतिनिधि, 26 जुलाई

अमरावती- बडनेरा पुलिस थाने में एक साथ छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज हुए हैं. पीड़ित महिला मंगलवार की दोपहर 3 बजे बडनेरा रेलवे लाइन परिसर से जा रही थी. एक अज्ञात ने पीछे से आकर उसे जकड़ा और विनयभंग कर फरार हो गया. दूसरी घटना पाला गांव में हुई. आरोपी मंगेश विजयराव नाईक (20) ने पड़ोस के घर में साबुन के बहाने प्रवेश किया और लड़की को छेड़ा. दोनों मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज किया है. पीएसआई एस.एस. आसोरे मामले की जांच कर रहे हैं.

आईये, घर सजाईये!
मेटल और नॉन मेटल लेझर कटींग जाली एवम् नेमप्लेट
- MS (लोहा)
- SS (स्टील)
- ब्रास, ब्रॉन्झ, कॉपर
- ॲक्रेलिक
- विनिअर
- एमडीएफ
- वुड, ग्लास, स्टोन
पुष्पराज क्रिएशन्स
प्लॉट नं.एक्स-५, एमआयडीसी, अमरावती
94228 55036

ऑपरेशन के बिना निरूपमा के हृदय का छेद बंद

डॉ. मनक्षे की टीम सफल, सावंगी अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

प्रतिनिधि, 26 जुलाई

वर्धा- ऑपरेशन न करते हुए एक युवती के हृदय के दो छेद बंद करने की प्रक्रिया सावंगी मेघे स्थित आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल के हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र मनक्षे व उनकी टीम ने पूर्ण की. खास बात यह कि महात्मा ज्योतिबा फुले जनस्वास्थ्य योजना से सर्व उपचार प्रक्रिया निःशुल्क होने से भंडारा के राऊत परिवार को बड़ी राहत मिली है. भंडारा जिले के लाखांदुर तहसील के करंडला निवासी 32 वर्षीय निरूपमा राऊत को निरंतर थकावट महसूस होती थी. उसे सावंगी अस्पताल में भर्ती करने पर जांच पश्चात हृदय में दो अलग-अलग स्थान पर छेद पाए गए. एक छेद हृदय के ऊपर व दूसरा नीचे था. उसे एएसडी व वीएसडी कहा जाता है. ऐसे मरीज पर ओपन हार्ट सर्जरी द्वारा उपचार किया जाता है. मगर डॉ. मनक्षे के मार्गदर्शन में अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक संसाधनों की मदद से एक साथ दो छेद बंद करने की डिवाइस क्लोजर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की. इस प्रक्रिया में डॉ. गजेंद्र मनक्षे को डॉ. दीपक साने, डॉ. पंकज राऊत, डॉ. सतीश खड़से, डॉ. अपूर्व महल्ले, प्रणयकुमार गवई, परिचारिका, समाजसेवी राकेश अगड़े का विशेष सहयोग मिला. महात्मा ज्योतिबा फुले जनस्वास्थ्य योजना से उपचार किए जाने से निरूपमा के परिजनों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा दी गई.

श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्षानिमित्त उपक्रम
सुदृढ भारत, समर्थ भारत!
आमच्या काळजात धडधडतंय, तुमचं सदृढ आयुरारोग्य!
प. पू. श्री संत अच्युत महाराज | स्व. श्री. वामनराव दिवे
मोफत आरोग्य तपासणी
सर्वसामान्यांच्या आरोग्यासाठी तपासणीचा महायज्ञाचे पर्व आर्वीतखास आर्वी विधानसभा मतदार संघातील जनतेसाठी
रविवार, 30 जुलै 2017, जि.प. कन्या शाळेत, सकाळी 10 ते दुपारी 3 पर्यंत
मुख्यमंत्री आरोग्य मॅरॉथॉन 2017
शिबिराचे वैशिष्ट्य
हृदयरुग्णांना लाभणार
समाजसेवी संत अच्युत महाराजांचे आशीर्वाद! संत अच्युत महाराज हार्ट हॉस्पीटल, अमरावतीच्या तज्ज्ञ डॉक्टरांडून हृदयरुग्णांची पूर्ण तपासणी मोफत
- इसीजीसह सर्व प्राथमिक तपासण्या
- पुढील उपचारांसाठी आवश्यक सोय
- नेत्र तपासणी व मोफत चश्मे वाटप
- मोतिबिंदूवर उपचार
- कॅंसरची तपासणी
- तज्ज्ञ डॉक्टरांकडुन हृयरोग तपासणी
- विद्यार्थ्यांसाठी दंत चिकित्सा व उपचार
- ना-कान-घसा
- बाल आणि स्त्री-रोग
- बीपी, शुगर तपासणी
स्व. वामनराव दिवे चॅरीटेबल ट्रस्ट पुढील आवश्यक उपचारांसाठी करणार आर्थिक मदत! दारिद्य रेषेखालील रुग्णासाठी विविध शासकीय योजनांत उपचार!
सारखं काळजात दुखतंय? आता चिंता नका करू
तुमच्या बळकट हृदयासाठी संत अच्युत महाराज हॉस्पीटल आणि स्व. वामनराव दिवे ट्रस्ट तुमच्या पाठिशी आहे.
'कसा जाऊ, कधी पोहोचू?' हा विचार नका करू
रुग्णांना ने-आण करण्याची मोफत व्यवस्था करण्यात आली आहे
लगबगीनं या, तुमच्या सेवेची संधी द्या!
डॉ. अनिल सावरकर अध्यक्ष संत अच्युत महाराज हार्ट हॉस्पीटल
सागर पासेबंद सचिव संत अच्युत महाराज हार्ट हॉस्पीटल
जिल्हाळ्याचा माणूस! सुधीर दिवे माजी उपजिल्हाधिकारी
मुख्य संयोजक आरोग्य मॅरॉथॉन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा

HAPPY BIRTHDAY
प्रतिदिन अखबार
रचना नारी मंच

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. संध्या आतिश रोने
शिक्षा- बीए फस्ट इअर
परिवार- सिंगल
जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती हैं
रुचि- ड्राइंग, पेंटिंग
संदेश- लड़कियों को खूब पढ़ाएं

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. किरण राजीव भेले
शिक्षा- एमएसी
परिवार- संयुक्त
जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती हैं.
रुचि- डांसिंग
संदेश- नारियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. वनीता गिरीश डागा
शिक्षा- एमए
परिवार- संयुक्त
जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती हैं.
रुचि- कुकिंग, सिंगिंग
संदेश- बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा करें.

लिवर व मुत्रपिंड रोग उपचार शिविर 31 को

अमरावती,प्रतिनिधि, 26 जुलाई- स्थानीय राजापेठ स्थित तखतमल श्रीवल्लभ होमिओपॅथीक वैद्यकीय महाविद्यालय व अस्पताल की ओर से निःशुल्क लिवर व मुत्रपिंड रोगजांच व उपचार शिविर का आयोजन सोमवार, 31 जुलाई की दोपहर 12 बजे किया है. शिविर में डॉ. प्रेमकुमार तापडिया, डॉ. सारंग तापडिया, डॉ. ज्योति चोटपगार उपस्थित रहेगे. शिविर में शराब के सेवन से लिवर की बिमारियों तथा मुत्रपिंड की जांच की जाएगी. शिविर का लाभ लेने का आह्वान आयोजकों ने किया है.

वरिष्ठ नागरिक संघ का 17वां अधिवेशन इंदौर में

अमरावती,प्रतिनिधि, 26 जुलाई- अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक महासंघ नेरूल नई मुंबई अंतर्गत 17वां अधिवेशन 4 व 5 नवंबर को इंदौर में आयोजित किया गया है. इस अधिवेशन में विविध मुद्दों पर चर्चा होगी. संघ के स्थानीय अध्यक्ष प्रताप शिवनेकर के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक संघ के पदाधिकारी व सदस्य अधिवेशन में सहभागी होंगे.